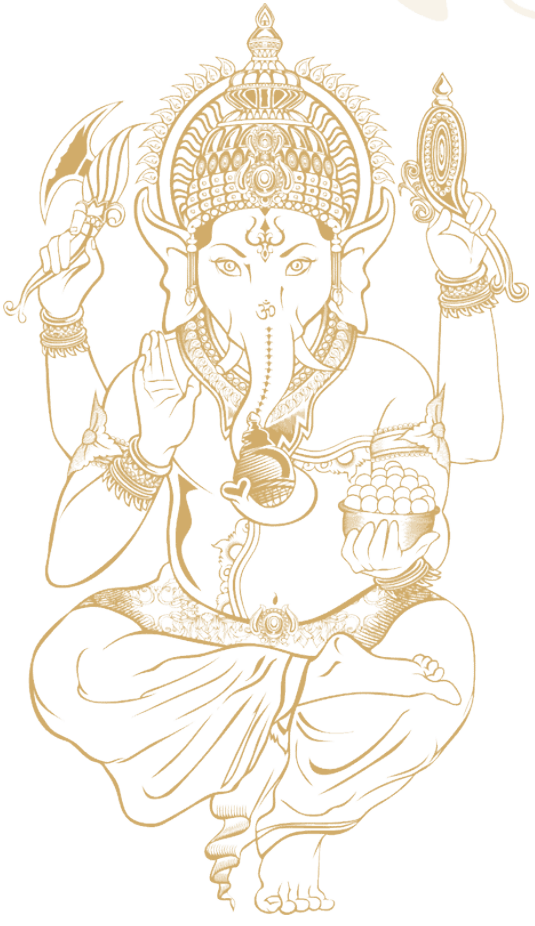

Bhagvad Jaideep Roopa

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119830703

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/09/1996	जन्म तिथि	27/10/1999
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 15:32:00	जन्म समय	21:20:00 घंटे
घटी 23:12:23	जन्म समय(घटी)	37:38:33 घटी
India	देश	India
Marakkara	स्थान	Bhilai
10:58:00 उत्तर	अक्षांश	21:13:00 उत्तर
76:02:00 पूर्व	रेखांश	81:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:25:52	स्थानिक संस्कार	-00:04:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:15:02	सूर्योदय	06:04:42
18:19:05	सूर्यास्त	17:31:37
23:48:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:01

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 3वर्ष 7मा 27दि		22:35:09	मक	लग्न	मिथु	09:57:56	चन्द्र 3वर्ष 5मा 2दि	
बुध		09:46:49	कन्या	सूर्य	तुला	09:55:34	राहु	
25/05/2019		00:17:05	मीन	चंद्र	वृष	18:46:09	30/03/2010	
24/05/2036		16:25:41	कर्क	मंगल	धनु	13:52:10	30/03/2028	
बुध	21/10/2021	25:11:37	सिंह व	बुध	वृश्चि	03:49:48	राहु	11/12/2012
केतु	18/10/2022	14:49:28	धनु	गुरु व	मेष	05:33:08	गुरु	06/05/2015
शुक्र	18/08/2025	27:20:41	कर्क	शुक्र	सिंह	23:28:25	शनि	12/03/2018
सूर्य	24/06/2026	10:11:01	मीन व	शनि व	मेष	20:38:38	बुध	29/09/2020
चन्द्र	24/11/2027	14:10:47	कन्या व	राहु व	कर्क	14:53:00	केतु	17/10/2021
मंगल	20/11/2028	14:10:47	मीन व	केतु व	मक	14:53:00	शुक्र	17/10/2024
राहु	09/06/2031	06:54:24	मक व	हर्ष	मक	19:01:14	सूर्य	11/09/2025
गुरु	14/09/2033	01:11:36	मक व	नेप	मक	07:47:20	चन्द्र	12/03/2027
शनि	24/05/2036	07:07:29	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	15:08:44	मंगल	30/03/2028

लग्न-चलित

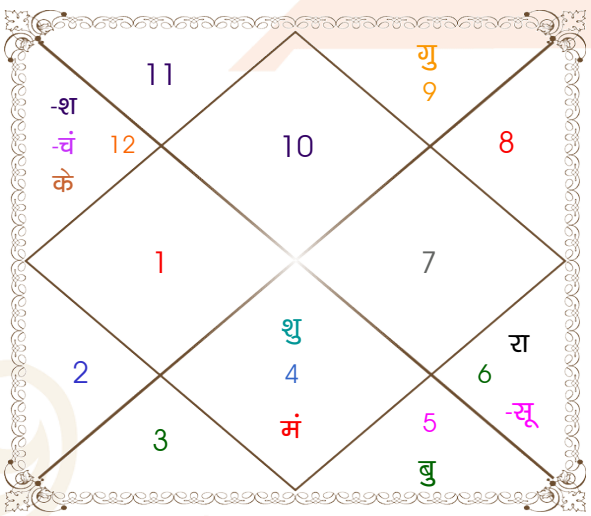

लग्न-चलित

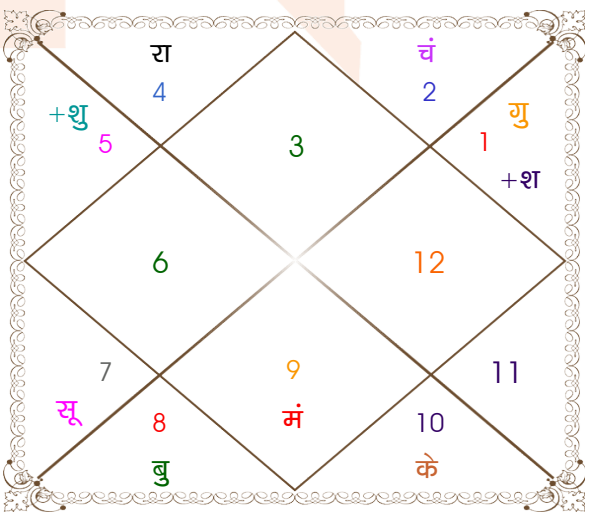

Y.S.N.MURTHY
15-D, Street -30, Sector -4, Bhilai
9424121265
ysn_murthy1942@yahoo.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

ठींहअंक श्रंपकममच का वर्ग सर्प है तथा Roopa का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ठींहअंक श्रंपकममच और Roopa का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ठींहअंक श्रंपकममच मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल ठींहअंक श्रंपकममच कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ठींहअंक श्रंपकममच कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Roopa मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

Y.S.N.MURTHY
15-D, Street -30, Sector -4, Bhilai
9424121265
ysn_murthy1942@yahoo.com

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Roopa कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Roopa कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ठींहअंक श्रंपकममच कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ठींहअंक श्रंपकममच तथा Roopa में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Y.S.N.MURTHY
15-D, Street -30, Sector -4, Bhilai
9424121265
ysn_murthy1942@yahoo.com